जन्माष्टमी विशेष | हर तरफ है ये शोर आया माखन चोर, जन्माष्टमी पर आज रहेगी शहर में धूम

प्रभु श्रीकृष्ण की लीलाओं में छिपे हैं अनेक गूढ़ संदेश

प्रतिकूलता में आंतरिक संतुलन बनाये रखने का पाठ

श्रीमद् जगद्गुरु सुखानंद द्वाराचार्य स्वामी राघव देवाचार्य महाराज

कालिया नाग के दमन की प्रसिद्ध कथा इस बात का जीवंत उदाहरण है कि किस प्रकार भयंकर संकट के समय भी अपने आंतरिक संतुलन को बनाए रखना चाहिए। यमुना नदी के गहरे जल में उतरकर उस विषैले नाग के फनों पर नृत्य करना और अंततः उसे पराजित करना इस बात का प्रतीक है कि मनुष्य के भीतर छिपे हुए क्रोध, लोभ और अहंकार रूपी विषैले नागों का दमन किस प्रकार किया जाना चाहिए। जब वह उस भयानक संघर्ष के बीच भी शांत और प्रसन्नचित्त बने रहे, तो उन्होंने संपूर्ण मानवता को यह अमूल्य शिक्षा दी कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हों, यदि भीतर का संयम और आत्मविश्वास अडिग है, तो विजय निश्चित है। इस लीला का यह पक्ष जीवन शिक्षा के रूप में आधुनिक युग के प्रत्येक उस व्यक्ति के लिए प्रासंगिक है जो कार्यस्थल या परिवार में आने वाली परेशानियों से जल्दी घबरा जाते हैं।

मानव चेतना को जागृत करने वाली हैं बाल लीलायें

दयानंद सरस्वती परमहंस महाराज

प्रभु श्रीकृष्ण की बाल्यावस्था की लीलाएं केवल एक साधारण बाल-कथा नहीं, अपितु मानव चेतना को जागृत करने वाला एक महान संदेश है। गोकुल की गलियों में माखन चुराना, यशोदा मैया के साथ मचलना और ग्वाल-बालों के साथ सखा भाव से रहना- यह सब जीवन शिक्षा का वह प्राथमिक चरण है जो हमें सिखाता है कि किस प्रकार बाहरी जटिलताओं से दूर रहकर बाल-सुलभ सहजता को अपने भीतर जीवंत रखा जाए। इसमें बाल्यकाल की निर्मलता और स्वच्छंदता का ऐसा अद्भुत समन्वय दिखाई देता है, जो वयस्क होने पर मनुष्य के मन में उत्पन्न होने वाले अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष के भावों को सहज ही समाप्त कर देता है।

आनंद और कर्तव्य का संतुलन स्थापित करना सिखाया

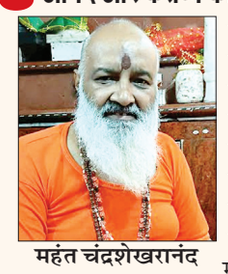

महंत चंद्रशेखरानंद

माखन चोरी की विशिष्ट कथा के पीछे दार्शनिक दृष्टिकोण यह है कि माखन हृदय की उस शुद्धता और प्रेम का प्रतीक है जो समस्त विकारों से मुक्त होता है। इस प्रसंग के माध्यम से यह ज्ञात होता है कि ईश्वर बाहरी आडंबरों और कर्मकांडों से नहीं, बल्कि भक्त के निर्मल और प्रेम से भरे हुए हृदय की भक्ति से प्रसन्न होते हैं। वह जब माखन चुराते और पकड़े जाने पर अपनी मीठी मुस्कान से सबको मोह लेते थे, तो वह इस बात का संकेत था कि जीवन में प्रेम और हास्य का संतुलन कितना आवश्यक है। इस प्रकार की क्रीड़ाएँ मनुष्य को यह सिखाती हैं कि कठोर नियमों और बंधनों के बीच भी आनंद की धारा को कैसे खोजा जाए। यहाँ यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि इस पूरी प्रक्रिया में आनंद और कर्तव्य का ऐसा संतुलन स्थापित होता है, जो किसी भी साधक को मानसिक तनाव से मुक्त करने की पूरी सामर्थ्य रखता है।

आत्मा को पुनर्जीवित करने की राह दिखाई

संत स्वामी पगलानंद महाराज

वृंदावन के वनों में गायों को चराना और बंसी बजाना इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित किए बिना कोई भी जीवन पूर्ण नहीं हो सकता। जब वह अपनी त्रिभंग मुद्रा में खड़े होकर गान करते थे, तब पशु-पक्षियों सहित संपूर्ण वनस्पति जगत मंत्रमुग्ध हो जाता था। यह संगीतमय वातावरण मानव मन की उन अशुद्धियों को धो डालता है जो सांसारिक मोह-माया के कारण उत्पन्न होती हैं। इस दिव्य संगीत के माध्यम से वह समस्त जीव-जगत को यह संदेश देते हैं कि जीवन की भागदौड़ और व्यस्तताओं के बाद भी भीतर एक शांत और स्थिर केंद्र का होनाअनिवार्य है। इसमें यह संदेश भी निहित कि किस तरह प्रकृति के सानिध्य में रहकर मनुष्य अपनी आत्मा को पुनर्जीवित कर सकता है।

नवभारत, जबलपुर। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाने वाला जन्माष्टमी पर्व आज शहर में श्रद्धा, उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाएगा। श्रीकृष्ण के बाल गोपाल स्वरूप की पूजा-अर्चना के साथ देर रात 12 बजे उनके जन्म का उत्सव मनाया जाएगा। भगवान के जन्म के साथ ही मंदिरों से लेकर घर-घर तक जय श्रीकृष्ण और नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयकारे गूंजेंगे।

जन्माष्टमी को लेकर शहर के कृष्ण मंदिरों में विशेष सजावट की गई है। मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को आकर्षक झांकियों के साथ सजाया गया है। श्रद्धालु रात 12 बजे भगवान का जन्मोत्सव मनाकर उनका अभिषेक, पूजन और आरती करेंगे। घरों में भी कान्हा के लिए विशेष झूले सजाए गए हैं। परिवार के सदस्य बाल गोपाल को झूला झुलाकर जन्मोत्सव मनाएंगे और प्रसाद का वितरण करेंगे। शहर में जन्माष्टमी के अवसर पर जगह-जगह भजन-कीर्तन, संकीर्तन, प्रसाद वितरण, भंडारे और रात्रि जागरण के आयोजन होंगे।

कान्हा की भक्ति में सजे मंदिर परिसर

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी को लेकर शहर में आस्था और उत्साह का माहौल है। इस वर्ष 4 सितंबर यानि आज जन्माष्टमी मनाई जाएगी। कान्हा के स्वागत के लिए शहर के प्रमुख मंदिरों में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। मंदिर परिसरों को फूलों, कृत्रिम बेल-पत्तियों, रंगीन झालरों और विद्युत रोशनी से सजाया जा रहा है। अधारताल स्थित बड़े प्राचीन हनुमान मंदिर, घमापुर के गोपाल मंदिर, सतपुला राम मंदिर, पाट बाबा सहित अन्य मंदिरों में दिनभर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन से लेकर मध्यरात्रि में कृष्ण जन्मोत्सव तक विशेष आयोजन होंगे।

फूल, बेल और रोशनी से तैयार हो रही सजावट

जन्माष्टमी को लेकर मंदिर समितियों ने सजावट के लिए विभिन्न प्रकार की सामग्री जुटाई है। मंदिर परिसर को आकर्षक बनाने के लिए ताजे फूलों के साथ कृत्रिम फूल, फूलों की लड़ियां, हरे पत्तों की बेल, सजावटी पत्तियां, रंगीन विद्युत झालर, एलईडी लाइटिंग, कपड़े और अन्य सजावटी सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। प्रवेश द्वार, पूजा स्थल और आसपास के हिस्सों को अलग-अलग तरीके से सजाया जा रहा है। कई स्थानों पर फूलों और हरियाली के संयोजन से प्राकृतिक स्वरूप देने का प्रयास किया गया है। वहीं रात के समय विद्युत सजावट मंदिरों की रौनक बढ़ाएगी।

धार्मिक आयोजनों से सजेगा जन्माष्टमी का दिन

जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिरों में सुबह से ही धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और संकीर्तन के साथ दिनभर श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में शामिल होंगे। शाम को विशेष संध्या आरती का आयोजन होगा। इसके बाद रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के अवसर पर विशेष पूजा, आरती और बाल गोपाल का पूजन किया जाएगा। जन्मोत्सव के बाद विभिन्न मंदिरों से जुलूस निकाले जाएंगे, जिसमें श्रद्धालु भगवान के बाल स्वरूप के साथ शामिल होंगे। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण भी किया जाएगा।

आस्था के रंग में रंगेगा शहर

मंदिरों की आकर्षक सजावट और धार्मिक उत्सव के बीच जन्माष्टमी पर शहर में अलग ही रौनक देखने को मिलेगी। मंदिर परिसरों में सुबह से श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहेगी और परिवारों के साथ लोग भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन के लिए पहुंचेंगे। विशेष साज-सज्जा और रोशनी से सजे मंदिर रात के समय और भी आकर्षक नजर आएंगे। भक्ति, उल्लास और धार्मिक परंपराओं का यह संगम जन्माष्टमी के उत्सव को खास बनाएगा।

माता गुजरी कॉलेज में छात्राओं ने मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

माता गुजरी महिला महाविद्यालय में एनएसएस इकाई द्वारा छात्राओं को भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं से परिचित कराते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके कर्मयोग, प्रेम, धर्म और मानवता के संदेश से प्रेरित करने के लिए श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समारोह का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के निर्देशक डॉ. सुनील कुमार पाहवा एवं प्राचार्य डॉ. संगीता झाम्ब का मार्गदर्शन एवं विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अल्पना सिंह एवं डॉ. सविता पाहारिया के नेतृत्व में किया गया।

ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल में बच्चों ने सजाई आकर्षक झांकियां

ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल रेंगवा करमेता में विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से धर्म, कर्म और प्रेम की सीख देने के लिए जन्माष्टमी उत्साह से मनाई गई। इस दौरान बच्चों ने श्रीकृष्ण के जीवन और लीलाओं पर आधारित आकर्षक झांकियां प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से सीख लेने का आह्वान करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण के संदेश और गीता के उपदेश आज भी जीवन में सही मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

शहर में कई जगह फूटेंगी मटकी

जन्माष्टमी के पर्व पर शहर की हर गली-मोहल्ले, एवं कॉलोनी में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन किए जाएंगे। इनमें मटकी फोड़ प्रतियोगिता प्रमुख आकर्षण रहेगी। युवाओं की टोलियां गोविंदा बनकर मानव पिरामिड तैयार करेंगी और ऊंचाई पर टंगी मटकी फोड़ने का प्रयास करेंगी। मटकी फोड़ प्रतियोगिताओं को लेकर युवाओं में खासा उत्साह है। शहर के कई स्थानों पर समितियों द्वारा बड़े स्तर पर दही हांडी और मटकी फोड़ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

दिव्यांग बच्चों ने झांकी सजाकर मनाई जन्माष्टमी

विकलांग सेवा भारती चेतना में दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित आकर्षक एवं मनमोहक झांकी तैयार कर हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ जन्माष्टमी महोत्सव मनाया। कार्यक्रम में जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने दिव्यांग बच्चों द्वारा तैयार की गई कृष्ण लीलाओं पर आधारित झांकी का अवलोकन किया तथा उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर सभी दिव्यांग छात्र-छात्राओं को जन्माष्टमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस प्राचार्य सचिन प्रजापति, गुलनाज बी और सुचिता द्विवेदी उपस्थित रहीं।

महर्षि विद्या मंदिर-6 में बच्चों ने मोहा मन

महर्षि विद्या मंदिर-6, शास्त्री नगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु पूजन से किया गया। इस अवसर पर शाला की प्राचार्या अंजना चौधरी ने कार्यक्रम में बच्चों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चे राधा एवं श्रीकृष्ण के सुंदर वेश में सजकर विद्यालय आए। बच्चों की मनमोहक वेशभूषा ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके आदर्शों से संबंधित प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर विद्यालय परिसर भक्तिमय एवं उत्साहवर्धक वातावरण से भर गया।

रादुविवि में कुलगुरु ने किया श्रीकृष्ण का पूजन

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कैरियर एवं गाइडेंस प्रकोष्ठ में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इस धार्मिक आस्था से ओतप्रोत कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार ने श्रद्धा के साथ भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के जीवन आदर्शों को स्मरण किया तथा उनके जीवन, कर्मयोग और धर्म की स्थापना के संदेश को याद करते हुए जीवन मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया। कुलगुरु ने बलराम को शक्ति व अनुशासन का और श्रीकृष्ण को बुद्धि व नीति का प्रतीक बताया तथा कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति व परंपरा से जोड़ना है।

बुलबुल किड्स किंगडम स्कूल में बच्चों ने दिखाई लीलाएं

अधारताल स्थित बुलबुल किड्स किंगडम हाई स्कूल में विद्यार्थियों द्वारा श्रीकृष्ण जन्म, बाल लीलाओं, रासलीला, राधा-कृष्ण के प्रेम एवं सुदामा-कृष्ण की अटूट मित्रता पर आधारित सुंदर नाट्य-नाटिका प्रस्तुत कर जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भगवान श्रीकृष्ण, राधा, गोपियों एवं ग्वालों की मनमोहक वेशभूषा धारण कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस दौरान विद्यालय के डायरेक्टर अनूप श्रीवास्तव एवं प्राचार्या अर्चना श्रीवास्तव ने सभी विद्यार्थियों व विद्यालय परिवार को जन्माष्टमी की शुभकामनाएँ दीं।

वेब मेमोरियल नर्सरी स्कूल में कृष्ण जन्माष्टमी

वेब मेमोरियल नर्सरी स्कूल सिविल लाइन पचपेढ़ी में कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया। इस दौरान बच्चे कृष्ण राधा की वेशभूषा में नजर आए। इस अवसर पर प्राचार्या रूपा बैनर्जी सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

इकिगाई प्रीस्कूल के बच्चों ने नाटिका से दर्शाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

इकिगाई किड्स इंटरनेशनल प्रीस्कूल में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पावन पर्व जन्माष्टमी हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा जन्माष्टमी पर आधारित मनमोहक नाटिका प्रस्तुत की गई, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं को सुंदर एवं आकर्षक ढंग से दर्शाया गया। इसके पश्चात पारंपरिक मटकी फोड़ कार्यक्रम एवं भक्तिमय भजनों ने पूरे वातावरण को आनंदमय और आध्यात्मिक बना दिया। कार्यक्रम को विद्यालय की संस्थापिका अर्पिता मालपानी एवं प्रधानाचार्या सोनिया कोचर की गरिमामयी उपस्थिति ने और भी यादगार बना दिया।

अशोका हॉल स्कूल में बच्चों ने राधा कृष्ण बनकर मनाई जन्माष्टमी

अशोका हॉल स्कूल में आयोजित राधा कृष्ण ड्रेस अप एक्ट एवं बेस्ट ड्रेस कॉम्पिटिशन में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने राधा-कृष्ण के मनमोहक रूप में सजकर आत्मविश्वास और आकर्षक अंदाज़ में सुंदर प्रस्तुतियाँ दीं। जन्माष्टमी का यह पर्व विद्यालय में बड़े ही हर्षोल्लास, उमंग और भक्ति भाव के साथ मनाया गया जहाँ बच्चों ने अपनी मासूम मुस्कान, मनमोहक अदाओं और सुंदर वेशभूषा से सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर नन्हे कृष्णों ने मुकुट, मोरपंख और बांसुरी धारण की।

उपहार | विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने दिया तोहफ़ा

8500 से अधिक बहनों को मिला सुरक्षा बीमा का अनोखा कवच

नवभारत, जबलपुर। उत्तर-मध्य विधानसभा में रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में मदन महल स्थित दद्दा परिसर में आयोजित 'सेवक की जिज्जी' रक्षाबंधन महोत्सव 2026 में 8500 से अधिक बहनों को सुरक्षा बीमा का अनोखा रक्षा कवच उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। यह समारोह क्षेत्रीय विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय के संयोजन में हुआ। इस समारोह में कार्यक्रम स्थल पर पधारी हजारों बहनों का स्वागत पुष्प वर्षा कर आत्मीयता से किया गया तथा विधायक ने प्रत्येक बहन को पर्यावरण संरक्षण और हरियाली का संदेश देते हुए स्मृति स्वरूप एक-एक पौधा भेंट किया।

दिखा पारंपरिक उल्लास

रक्षाबंधन के इस पावन उत्सव को पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया, जहाँ बहनों के लिए कार्यक्रम स्थल पर मेहंदी लगाने, चूड़ी और बिंदी वितरित करने के विशेष काउंटर लगाए गए थे, जिसमें बहनों ने बड़े उत्साह से सहभागिता की और पधारीं सभी बहनों व आगंतुकों के लिए सुरुचिपूर्ण एवं स्वादिष्ट भोजन की व्यापक व्यवस्था की गई थी। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने कहा कि वे उत्तर-मध्य विधानसभा में '5एस' विजन (शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा, सुरक्षा और संस्कार) को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर संकल्पित हैं, जिसके तहत सुरक्षा प्रकल्प के रूप में भाई और सेवक के नाते उनका यह निरंतर प्रयास रहेगा कि हर वर्ष बहनों के इस सुरक्षा बीमा का नवीनीकरण कराते रहें ताकि उनका जीवन सदैव सुरक्षित और निश्चिंत रहे। इस दौरान बहनों ने विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय को राखी बांधकर उनके दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन का आशीर्वाद दिया और विधायक ने सभी बहनों का आभार व्यक्त करते हुए सहयोग के लिए बैंक के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

बहनों को मिला तत्काल बीमा लाभ

बहनों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए परिसर में ही विभिन्न राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंकों के विशेष स्टॉल लगाए गए थे, जहाँ बैंक अधिकारियों ने मौके पर ही उपस्थित रहकर बहनों के दस्तावेजों का सत्यापन किया और उन्हें तत्काल सुरक्षा बीमा से आच्छादित किया। विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने बताया कि जिन बहनों के पास किसी दस्तावेज की कमी रह गई थी, उनका विधिवत पंजीयन कर लिया गया है और शीघ्र ही उनके आवश्यक दस्तावेज मंगवाकर उन्हें भी सुरक्षा बीमा योजना का शत-प्रतिशत लाभ प्रदान किया जाएगा।

पदोन्नति व स्थानांतरण पर नितेश सोने को दी विदाई

सहकर्मियों ने सराहा कार्यकाल

नवभारत, जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग में पदस्थ मंडल वाणिज्य प्रबंधक नितेश कुमार सोने को पदोन्नति के अवसर पर अधिकारियों-कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता, सहायक वाणिज्य प्रबंधक धर्मेंद्र कुमार सिंह, गुन्नार सिंह सहित विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उन्हें बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। ज्ञातव्य हो कि श्री सोने को डिप्टी सीसीएम (एफएम) नियुक्त किया गया है। इस दौरान उनके कर्तव्यनिष्ठ, समर्पित और सकारात्मक कार्यशैली की सराहना करते हुए यात्रियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने, विभागीय कार्यों में दक्षता बढ़ाने और जिम्मेदारियों के प्रभावी निर्वहन में उनके योगदान को याद किया गया। पदोन्नति को उनकी मेहनत, प्रतिबद्धता और नेतृत्व क्षमता का सम्मान बताते हुए सहकर्मियों ने उम्मीद जताई कि नई जिम्मेदारी में भी वे अपनी कार्यकुशलता से पश्चिम मध्य रेलवे को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विदाई अवसर पर नितेश कुमार सोने ने जबलपुर मंडल में कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग, स्नेह और टीम भावना के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में भी इसी आत्मीयता और सहयोग की अपेक्षा जताई।